जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा
पुस्तक मेला प्रदर्शनी

रिपोर्ट

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा द्वारा महाविद्यालय के हॉल सभागार में राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी की विशाल पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 8 एवं 9 फरवरी 2023 को किया गया। प्रदर्शनी के संचालन का समय प्रातः 10 बजे से 04 बजे तक रहा। इस प्रदर्शनी में मानक एवं सस्ती पुस्तकें, प्रतिष्ठित लेखकों की सूचनाप्रद पुस्तकें उपलब्ध रहीं। राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी सरकार का ऐसा उपक्रम है जो महाविद्यालय स्तर के पुस्तक प्रकाशन में अग्रणी है। प्रदर्शनी में पुस्तकों पर विद्यार्थियों के लिए 25 प्रतिशत छूट देने का प्रावधान रखा गया। राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर (राजस्थान) द्वारा ''न लाभ, न हानि'' आधार पर ही पुस्तकों का प्रकाशन एवं विक्रय किया जाता है। उक्त प्रदर्शनी में पुस्तकों पर छूट का लाभ दिया गया। प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे – भारतीय प्रशासनिक सेवा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा, यू.जी.सी., नेट, स्लेट की पुस्तकें एवं सन्दर्भ पुस्तकें अधिकतम छूट के साथ उपलब्ध रहीं। अतः सभी नागरिकों ने लाभ लिया।

4 जयपुर महानगर टाइम्स
कोटा, 9 फरवरी, 2023

कोटा-आसपास
• कोटा शहर • बूंदी • झालावाड़ • सवाई माधोपुर • टोंक

पुस्तकों से अच्छा मित्र कोई नहीं हो सकता है : प्राचार्य डॉ संजय भार्गव

हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ

महानगर संवाददाता

कोटा। जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में बुधवार को हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी (राजस्थान पुस्तक पर्व) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ एकता धारीवाल विशिष्ट अतिथि, डॉ रघुराज परिहार सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग कोटा मुख्य वक्ता महाराणा कुंभा सम्मान से सम्मानित डॉ हुकुम चंद जैन, कोटा विश्वविद्यालय कोटा के रजिस्ट्रार आर.के. उपाध्याय नंदा हिंदी ग्रंथ अकादमी से पधारे हुए चंद्र दत्त स्वामी रहे।

प्राचार्य डॉ संजय भार्गव ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज हमारे महाविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है कि हिंदी ग्रंथ अकादमी ने विशाल पुस्तक प्रदर्शनी के लिए इस महाविद्यालयों को चुना है । आज के युग में अच्छे साहित्य का ज्ञान बहुत जरूरी है और पुस्तकों से अच्छा मित्र कोई नहीं हो सकता है क्योंकि पुस्तकें ज्ञान और विज्ञान के भंडार के रूप हमारे साथ रहती है। अच्छी पुस्तकों का अध्ययन करने का तात्पर्य है की श्रेष्ठ व्यक्तियों व उनके विचारों को जानना, समझना और आत्मसात करना। प्राचार्य ने इस कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों का पुष्पों द्वारा स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ रघुराज परिवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकों के लिए मेलों का आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुस्तकों में निहित ज्ञान नई पीढ़ी को मिले सके हैं ।

आज की नई पीढ़ी का इस आधुनिक युग में इंटरनेट की वजह से पुस्तकों के प्रति रुझान कम हो गया है, इस तरह के शिविर आयोजित किए जाने चाहिए ताकि नई पीढ़ी का पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ाया जा सके। मुख्य वक्ता डॉ हुकुमचंद जैन ने कहा की हिंदी ग्रंथ अकादमी की स्थापना उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई थी। राजस्थान की ग्रंथ अकादमी शेष प्रदेश की अकादमी से श्रेष्ठ है क्योंकि इसमें निरंतरता है। जब आप समस्याओं से ग्रसित हो, अंधकार या अवसाद में हो तब कला व साहित्य ही आपको उजाले की तरफ लेकर जा सकती है। मुख्य वक्ता डॉ एकता धारीवाल ने अपने भाषण में कहा कि नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए हिंदी साहित्य का ज्ञान होना बहुत जरूरी है और इस तरह की पुस्तक प्रदर्शनी कोटा जिले में आयोजित होती रहनी चाहिए ताकि आज की युवा पीढ़ी किताबों के प्रति जागरूक हो सके।

इस अवसर पर डॉ जैन ने अपनी पुस्तक राजस्थान का इतिहास, संस्कृति व विरासत के 32वे संस्करण का विमोचन किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को इसकी एक-एक प्रति भी भेंट की।

महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र की सह आचार्य डॉ सुचिता जैन ने इस पुस्तक प्रदर्शनी से खरीद कर मूल्य 5001 की पुस्तकें महाविद्यालय की लाइब्रेरी को भेंट स्वरूप प्रदान की। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ स्मृति जौहरी ने किया। पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजिका एवं प्रभारी डॉ संगीता सिंह ने सभी अतिथियों , संकाय सदस्य और छात्राओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रेनू त्यागी एवं गुरमीत सिंह ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

जेडीबी में लगी दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी

पुस्तकों से अच्छा कोई मित्र नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. जेडीबी कॉलेज में हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर की ओर से दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एकता धारीवाल ने किया। विशिष्ट अतिथि सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा डॉ. रघुराज परिहार व मुख्य वक्ता महाराणा कुंभा सम्मान से सम्मानित डॉ. हुकुम चंद जैन, कोटा विश्वविद्यालय कोटा के रजिस्ट्रार आर.के. उपाध्याय, नंदा हिंदी ग्रंथ अकादमी से आए चंद्र दत्त स्वामी रहे। मुख्य वक्ता डॉ. हुकुमचंद जैन ने कहा कि राजस्थान की ग्रंथ अकादमी शेष प्रदेश की अकादमी से श्रेष्ठ है। कला व साहित्य आपको उजाले की तरफ ले जाते हैं। डॉ. धारीवाल ने कहा कि नई पीढ़ी को हिंदी साहित्य का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने कहा कि पुस्तकों से अच्छा मित्र कोई नहीं हो सकता है। डॉ. रघुराज परिहार ने कहा कि इंटरनेट की वजह से पुस्तकों के प्रति रुझान कम हो गया है। इस तरह के आयोजन से नई पीढ़ी का पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ेगा। इस अवसर पर डॉ. जैन की पुस्तक 'राजस्थान का इतिहास, संस्कृति व विरासत' के 32वें संस्करण का विमोचन किया। कार्यक्रम में सह आचार्य डॉ. सुचिता जैन, डॉ. स्मृति जौहरी व डॉ. संगीता सिंह समेत अन्य शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

जेडीबी कॉलेज में पुस्तक प्रदर्शनी में उपस्थित अतिथि। पत्रिका

आज के युग में अच्छे साहित्य का ज्ञान जरूरी

संदेश न्यूज। कोटा.

जेडीबी महाविद्यालय में हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी (राजस्थान पुस्तक पर्व) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एकता धारीवाल विशिष्ट अतिथि, डॉ. रघुराज परिहार सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग, मुख्य वक्ता महाराणा कुंभा सम्मान से सम्मानित डॉ. हुकुम चंद जैन, कोटा विश्वविद्यालय कोटा रजिस्ट्रार आरके उपाध्याय, नंदा हिंदी ग्रंथ अकादमी से चंद्र दत्त स्वामी रहे। प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने कहा कि आज के युग में अच्छे साहित्य का ज्ञान बहुत जरूरी है और पुस्तकों से अच्छा मित्र कोई नहीं हो सकता है। मुख्य वक्ता डॉ.हुकुमचंद ने कहा कि राजस्थान की ग्रंथ अकादमी शेष प्रदेश की अकादमी से श्रेष्ठ है क्योंकि इसमें निरंतरता है। इस अवसर पर डॉ. जैन ने अपनी पुस्तक (राजस्थान का इतिहास, संस्कृति व विरासत) के 32वें संस्करण का विमोचन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. स्मृति जौहरी ने किया।

जेडीबी में विशाल पुस्तक प्रदर्शनी राजस्थान पुस्तक पर्व का शुभारम

जीवन में साहित्य का विशेष महत्व, पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 8 फरवरी। जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी राजस्थान पुस्तक पर्व का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ एकता धारीवाल विशिष्ट अतिथि, डॉ रघुराज परिहार सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग कोटा मुख्य वक्ता महाराणा कुंभा सम्मान से सम्मानित डॉ. हुकुम चंद जैन, कोटा विश्वविद्यालय कोटा के रजिस्ट्रार आर.के. उपाध्याय नंदा हिंदी ग्रंथ अकादमी से पधारे हुए चंद्र दत्त स्वामी रहे। प्राचार्य डॉ.संजय भार्गव ने अपने स्वागत

उद्बोधन में कहा कि आज हमारे महाविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है कि हिंदी ग्रंथ अकादमी ने विशाल पुस्तक प्रदर्शनी के लिए इस महाविद्यालयों को चुना है । आज के युग में अच्छे साहित्य का ज्ञान बहुत जरूरी है और पुस्तकों से अच्छा मित्र कोई नहीं हो सकता है क्योंकि पुस्तकें ज्ञान और विज्ञान के भंडार के रूप हमारे साथ रहती हैं। मुख्य वक्ता डॉ एकता धारीवाल ने अपने भाषण में कहा कि नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए हिंदी साहित्य का ज्ञान होना बहुत जरूरी है और इस तरह की पुस्तक प्रदर्शनी कोटा जिले में आयोजित होती रहनी चाहिए ताकि आज की युवा पीढ़ी किताबों के प्रति जागरूक हो सके। इस अवसर पर डॉ अपनी पुस्तक "राजस्थ इतिहास, संस्कृति व वि के 32वे संस्करण का वि किया। महाविद्याल वनस्पति शास्त्र की सह डॉ.सुचिता जैन ने इस प्रदर्शनी से खरीद कर मूल्य - की पुस्तकें महाविद्या लाइब्रेरी को भेंट स्वरू की । कार्यक्रम का मंच स डॉ.स्मृति जौहरी ने किया । प्रदर्शनी की संयोजिका ए डॉ संगीता सिंह ने सभी अ , संकाय सदस्य और छात्र धन्यवाद एवं आभार व्यक्त कार्यक्रम को सफल बना रेनू त्यागी एवं गुरमीत सक्रिय सहयोग प्रदान वि

दिनांक 8 फरवरी 2023 को जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी (राजस्थान पुस्तक पर्व) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ एकता धारीवाल विशिष्ट अतिथि, डॉ रघुराज परिहार सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग कोटा मुख्य वक्ता महाराणा कुंभा सम्मान से सम्मानित डॉ हुकुम चंद जैन, कोटा विश्वविद्यालय कोटा के रजिस्ट्रार आर.के. उपाध्याय नंदा तथा हिंदी ग्रंथ अकादमी से पधारे हुए चंद्र दत्त स्वामी रहे। प्राचार्य डॉ संजय भार्गव ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में कहा कि आज हमारे महाविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है कि हिंदी ग्रंथ अकादमी ने विशाल पुस्तक प्रदर्शनी के लिए इस महाविद्यालयों को चुना। आज के युग में अच्छे साहित्य का ज्ञान बहुत जरूरी है और पुस्तकों से अच्छा मित्र कोई नहीं हो सकता है क्योंकि पुस्तकें ज्ञान और विज्ञान के भंडार के रूप हमारे साथ रहती है। प्राचार्य ने आगे कहा कि अच्छी पुस्तकों का अध्ययन करने का तात्पर्य है की श्रेष्ठ व्यक्तियों व उनके विचारों को जानना, समझना और आत्मसात करना। प्राचार्य ने इस कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों का पुष्पों द्वारा स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ रघुराज परिवार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि पुस्तकों के लिए मेलों का आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुस्तकों में निहित ज्ञान नई पीढ़ी को मिले सके हैं। आज की नई पीढ़ी का इस आधुनिक युग में इंटरनेट की वजह से पुस्तकों के प्रति रुझान कम हो गया है, इस तरह के शिविर आयोजित किए जाने चाहिए ताकि नई पीढ़ी का पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ाया जा सके। विशिष्ट वक्ता डॉ हुकुमचंद जैन ने कहा की हिंदी ग्रंथ अकादमी की स्थापना उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई थी। राजस्थान की ग्रंथ अकादमी शेष प्रदेश की अकादमी से श्रेष्ठ है क्योंकि इसमें निरंतरता है। जब आप समस्याओं से ग्रसित हो, अंधकार या अवसाद में हो तब कला व साहित्य ही आपको उजाले की तरफ लेकर जा सकती है। मुख्य वक्ता डॉ एकता धारीवाल ने अपने भाषण में कहा कि नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए हिंदी साहित्य का ज्ञान होना बहुत जरूरी है और इस तरह की पुस्तक प्रदर्शनी कोटा जिले में आयोजित होती रहनी चाहिए ताकि आज की युवा पीढ़ी किताबों के प्रति जागरूक हो सके। उन्होंने इस मेले के लिये बधाई दी एवं महाविद्यालय की इस कार्य हेतु प्रशंसा की।

दैनिक भास्कर

कोटा 09-02-2023

जेडीबी में पुस्तक मेला आज और

कोटा | जानकीदेवी बजाज राजकीय कॉलेज में हिंदी ग्रंथ अकादमी की ओर से दो दिवसीय पुस्तक मेला बुधवार को शुरू हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. एकता धारीवाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. रघुराज परिहार, डॉ. हुकुमचंद जैन, कोटा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार आरके उपाध्याय और नंदा हिंदी ग्रंथ अकादमी के चंद्रदत्त स्वामी थे। प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने बताया कि इंटरनेट की वजह से पुस्तकों के प्रति युवाओं का रुझान कम हो रहा है। प्रदर्शनी में स्टूडेंट्स को पुस्तक खरीदने पर कीमत पर 25 तक की छूट दी जा रही है। वनस्पति शास्त्र की सह आचार्य डॉ. सुचिता जैन ने इस प्रदर्शनी से खरीदकर 5001 रुपए की पुस्तकें लाइब्रेरी में भेंट की। संचालन डॉ. स्मृति जौहरी ने किया। पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजक एवं प्रभारी डॉ. संगीता सिंह, डॉ. रेणु त्यागी एवं गुरमीतसिंह मौजूद रहे।

दैनिक नवज्योति

Kota City - 09 Feb 2023 - Page 7

जडाबा कालज म पुस्तक प्रदशना का आयाजन

अंधविश्वास का अंधकार पुस्तक का प्रकाश ही करता है दूर

नवज्योति/कोटा।

किताबों में ज्ञान और विज्ञान का भंडार समाया है, जो जीवन का आधार है। आज के युग में अच्छे साहित्य का ज्ञान होना जरूरी है। पुस्तकों से अच्छा दोस्त कोई नहीं है, इससे अर्जित हुआ ज्ञान हमेशा साय की तरह साथ रहता है। लगातार अध्ययन से विचारों को जानना, समझना, आत्मसात करना और समाज के विकास में अपनी भूमिका कर्तव्य का अहसास कराती है। साथ ही हमारी कला, संस्कृति और विरासत से रुबरू कराती है। यह विचार बुधवार को जेडीबी कॉलेज में हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर की ओर से आयोजित की गई दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी में प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने साझा की। विशिष्ट अतिथि कॉलेज आयुक्तालय के सहायक निदेशक डॉ. रघुराज सिंह परिहार ने कहा, वर्तमान में टेक्नोलॉजी का दौर तेजी से बढ़ा। जिसके अच्छा प्रभाव भी देखने को मिला। स्टूडेंट्स ई-लर्निंग से जुड़े वहीं, साहित्य ज्ञान से दूर भी हो रहे हैं। ऐसे में पुस्तकों में निहित ज्ञान से नई पीढ़ी को रुबरू करवाने के लिए पुस्तक मेलों का आयोजन महत्ती आवश्यकता है। जिससे नव युवकों में साहित्य के प्रति लगाव बढ़ेगा। मुख्य वक्ता डॉ. हुकुमचंद जैन ने कहा, अंधविश्वास का अंधकार पुस्तक का प्रकाश ही दूर करता है। जब आप समस्याओं से ग्रसित हो, अंधकार या अवसाद में हो तब कला व साहित्य ही उजाले की तरफ लेकर जा सकती है। हिंदी ग्रंथ अकादमी की स्थापना उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई थी। राजस्थान की ग्रंथ अकादमी अन्य प्रदेश की अकादमी से श्रेष्ठ है क्योंकि इसमें निरंतरता है। इस दौरान उन्होंने अपनी पुस्तक राजस्थान का इतिहास, संस्कृति व विरासत के 32वें संस्करण का विमोचन किया।

युवा पीढ़ी को जागरूक करती हैं किताबें

मुख्य अतिथि डॉ. एकता धारीवाल ने कहा, नई पीढ़ी को जागरूक करने में किताबों की महत्वपूर्ण भूमिका है। नई पीढ़ी को हिन्दी साहित्य का ज्ञान होना जरूरी है। पुस्तक प्रदर्शनी के आयोजन शिक्षा नगरी में होते रहना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी साहित्य, कला व संस्कृति के प्रति जागरूक हो सके।

लाइब्रेरी को भेंट की पुस्तकें

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नंदा हिंदी ग्रंथ अकादमी से चंद्रदत्त स्वामी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र की सह आचार्य डॉ सुचिता जैन ने प्रदर्शनी से पुस्तक खरीद कॉलेज की लाइब्रेरी को भेंट की। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. स्मृति जौहरी ने किया। पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजिका एवं प्रभारी डॉ. संगीता सिंह ने अतिथियों, संकाय सदस्य, छात्राएं व डॉ रेनू त्यागी, गुरमीत सिंह का आभार जताया।

इस अवसर पर डॉ जैन ने अपनी पुस्तक ''राजस्थान का इतिहास, संस्कृति व विरासत'' के 32वे संस्करण का विमोचन किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को इसकी एक–एक प्रति भी भेंट की। महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र की सह आचार्य डॉ शुचिता जैन ने इस पुस्तक प्रदर्शनी से खरीद कर मूल्य 5001/– की पुस्तकें महाविद्यालय की लाइब्रेरी को भेंट स्वरूप प्रदान की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रेणु त्यागी एवं श्री गुरमीत सिंह ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजिका एवं प्रभारी डॉ. संगीता सिंह ने राजकीय कन्या वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वन्दना आहूजा सहित सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के आयोजकों व छात्राओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

दिनांक 09–02–2023 को जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी का समापन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी ग्रंथ अकादमी से मेले आयोजित करने आए श्री चंद्रदत्त शर्मा ने पुस्तक मेले में महाविद्यालय के सहयोग व व्यवस्थाओं की सराहना की तथा मेले के सफलतापूर्वक आयोजन पर महाविद्यालय को बधाई दी तथा धन्यवाद

ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि इस मेले में 1 लाख रूपये से अधिक कीमत की पुस्तकों की खरीद हुई, जिससे छात्राएँ लाभान्वित होंगी। मेला प्रमुख श्री चंद्रदत्त शर्मा, कम्प्यूटर प्रोग्रामर श्री सत्यनारायण सिंह, कनिष्ठ सहायक रघुनाथ सिंह, दिनेश कुमार शर्मा तथा रघुवीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने अपने उद्‌बोधन में पुस्तक मेले को महाविद्यालय की विकास प्रक्रिया की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राजकीय कन्या कला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक गुप्ता ने व्यक्तित्व विकास में पुस्तकों की उपयोगिता बताई। कार्यक्रम के सफल संचालन में गुरमीत सिंह व डॉ. ममता चौधरी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। मंच संचालन डॉ. ममता चौधरी द्वारा गया। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ रघुराज परिहार ने समापन समारोह में कहा कि दो दिवसीय पुस्तक मेला बहुत ही लाभदायक रहा। इसने हमे अनेक प्रकार की पुस्तकें मिली जिनके ज्ञान प्राप्त हुआ और बहुत आनन्द आया। यह दो दिवसीय पुस्तक मेला व प्रदर्शनी शानदार रहा। जिसमें काफी संख्या में पाठक व लेखक सम्मलित हुए और मेले में 1 लाख रूपये के मूल्य से अधिक की पुस्तकों की बिक्री हुई। तथा मेला आयोजकों के द्वारा अच्छी व्यवस्था की गई जो काबिले तारीफ है। छात्रों के द्वारा भी मेले को पसंद किया गया और उन्होंने बढ़चढ़कर प्रदर्शनी मे भाग लिया। यह मेला संभाग का सबसे बढ़िया आयोजन रहा। जिसमें प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव साहब, संयोजिका डॉ. संगीता सिंह द्वारा अच्छी व्यवस्था की गई। मेले की सफलतापूर्वक समापन पर प्रभारी एवं संयोजिका डॉ संगीता सिंह ने कहा कि वर्तमान में पुस्तकों की उपादेयता तथा प्रासंगिकता पर एक प्रश्न चिन्ह लगता जा रहा था, इस प्रश्न चिन्ह को पुस्तक मेले और प्रदर्शनी की अभूतपूर्व सफलता ने पुस्तकों को पुस्तक धारिणी मां सरस्वती के वरदान में परिवर्तित कर दिया है। यद्यपि ऑनलाइन पुस्तकों की उपादेयता अपने स्थान पर है, परंतु इस प्रकार की पुस्तक प्रदर्शनी एवं पुस्तक मेले के अभूतपूर्व आयोजन एवं विक्रय से सिद्ध हुआ है कि पुस्तकों की महत्ता एवं प्रभाव अभी भी बना हुआ है। विशेषकर विद्यार्थी वर्ग इस मेले से अत्यधिक लाभान्वित हुए हैं एवं आमजन ने भी इसमें रुचि दिखाई है। अपने इस धन्यवाद संदेश के अंत में पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजिका एवं प्रभारी डॉ संगीता सिंह ने आम नागरिक जन विद्यार्थी वर्ग, स्टाफ, सहयोगियों, अतिथियों, संकाय सदस्य और छात्राओं का मेले की सफलता के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

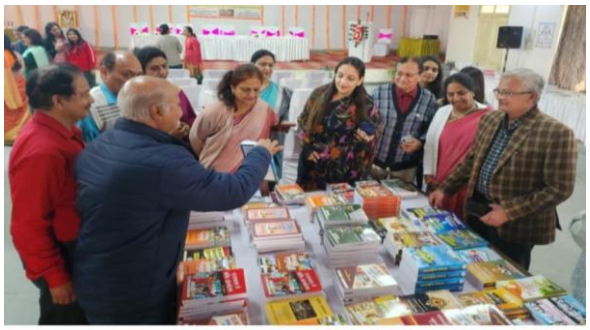

जेडीबी में पुस्तक प्रदर्शनी का समापन

पुस्तकों से लाभान्वित हुए आमजन व छात्राएं

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 9 फरवरी। जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय, कोटा में हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय विशाल पुस्तक प्रदर्शनी का समापन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी ग्रंथ अकादमी से मेले आयोजित करने आए चंद्रदत्त शर्मा ने पुस्तक मेले में महाविद्यालय के सहयोग व व्यवस्थाओं की सराहना की तथा मेले के सफलतापूर्वक आयोजन पर महाविद्यालय को बधाई दी तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि इस मेले में 1 लाख रूपये से अधिक पुस्तकों की खरीद हुई, जिससे छात्राएँ लाभान्वित होगी। मेला प्रमुख चंद्रदश्र शर्मा, कम्प्यूटर प्रोग्रामर सत्यनारायण सिंह, कनिष्ठ सहायक रघुनाथ सिंह, दिनेश कुमार शर्मा तथा रघुवीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने अपने उद्बोधन में पुस्तक मेले को महाविद्यालय की विकास प्रक्रिया की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राजकीय कन्या कला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक गुप्ता ने व्यक्तित्व विकास में पुस्तकों की उपयोगिता बताई। पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजिका एवं प्रभारी डॉ. संगीता सिंह ने राजकीय कन्या वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वन्दना आहूजा सहित सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के आयोजकों व छात्राओं का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में गुरमीत सिंह व डॉ. ममता चौधरी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। मंच संचालन डॉ. विकास जांगिड़ द्वारा गया।

जेडीबी कॉलेज में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी संपन्न

दो दिन में एक लाख से ज्यादा की बिकी किताबें

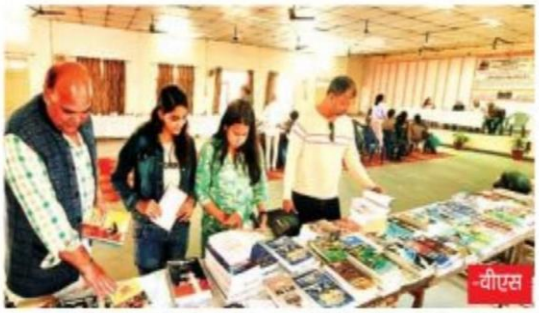

नवज्योति/कोटा। जेडीबी कॉलेज में कॉलेज प्रशासन व हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का गुरुवार को समापन हो गया। इस मौके पर एक लाख रुपए से अधिक कीमत की किताबों की बिक्री हुई। अतिथि चंद्रदत्त शर्मा ने पुस्तक मेले में महाविद्यालय के सहयोग व व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि मेले में 1 लाख रुपए से अधिक पुस्तकों की खरीद हुई, जिससे छात्राएं लाभान्वित होंगी। मेला प्रमुख चंद्रा शर्मा, कम्प्यूटर प्रोग्रामर सत्यनारायण सिंह, कनिष्ठ सहायक रघुनाथ सिंह, दिनेश कुमार शर्मा तथा रघुवीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय भार्गव ने पुस्तक मेले को महाविद्यालय की विकास प्रक्रिया की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राजकीय कन्या कला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक गुप्ता ने व्यक्तित्व विकास में पुस्तकों की उपयोगिता बताई। पुस्तक प्रदर्शनी की संयोजिका एवं प्रभारी डॉ. संगीता सिंह ने राजकीय कन्या वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वन्दना आहूजा, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के आयोजकों व छात्राओं का आभार जताया। आयोजन में गुरमीत सिंह, डॉ. ममता चौधरी, मंच संचालन डॉ. विकास जांगिड़ ने सहयोग किया।

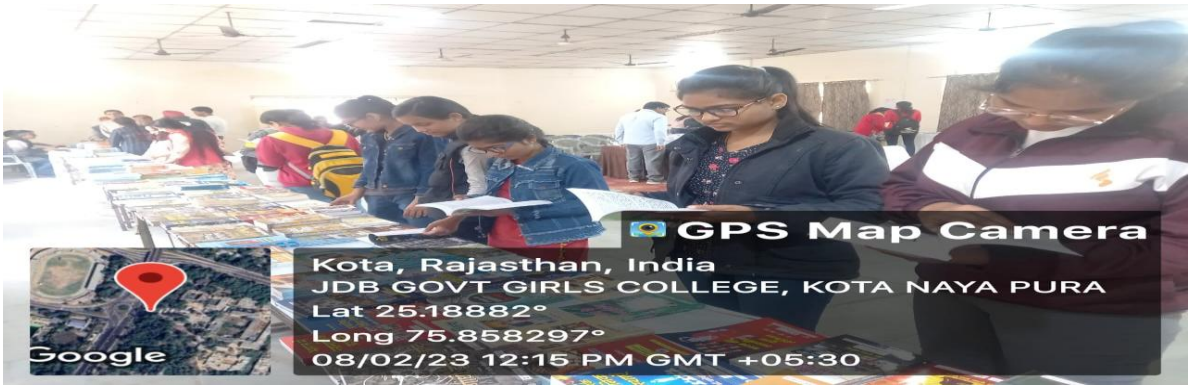
GPS Map Camera
Kota, Rajasthan, India
JDB GOVT GIRLS COLLEGE, KOTA NAYA PURA
Lat 25.18882°
Long 75.858297°
08/02/23 12:15 PM GMT +05:30
Google